पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल से मिला पूर्वोत्तर राज्यों का छात्र दल

लखनऊः 11 जनवरी, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक से आज यहां राजभवन में अन्तर्राज्यीय छात्र जीवन दर्शन के अन्तर्गत पूर्वोत्तर राज्यों के 29 सदस्यीय छात्र दल ने भेंट की। राज्यपाल से मिलने वाले छात्र-छात्राओं में असम, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम एवं अरूणाचंल प्रदेश के थे, जो स्नातक स्तर की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। देश की विविध संस्कृतियों को जानने के उद्देश्य से ऐसा कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

राज्यपाल ने छात्रों को राज्यपाल के पद और दायित्वों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भारतीय संविधान में राष्ट्रपति का पद सर्वोच्च होता है उसी प्रकार प्रदेश में राज्यपाल का पद सर्वोच्च होता है। उत्तर प्रदेश आबादी के लिहाज से देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। यहां पर कई ऐतिहासिक महत्व के दर्शनीय स्थल है। राजभवन लखनऊ की इमारत ऐतिहासिक और दो सौ वर्ष पुरानी है। राजभवन में जैविक खेती के माध्यम से सब्जियां व फल उगाये जाते हैं तथा गौशाला भी है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि 1857 की आजादी की प्रथम लड़ाई की गवाह बनी रेजीडेन्सी व सेन्ट्रल कमाण्ड स्थित स्मृतिका में बने प्रदेश के तीन परमवीर चक्र विजेताओं के भित्ति चित्र भी देखें। उन्होंने कहा कि देश के 21 परमवीर चक्र विजेताओं में से तीन उत्तर प्रदेश के है। स्मृतिका में शाहजहाँपुर निवासी नायक जदुनाथ सिंह, गाजीपुर निवासी हवलदार अब्दुल हमीद तथा लखनऊ निवासी कैप्टन मनोज पाण्डेय के भित्ति-चित्र बनाये गये हैं। राज्यपाल ने छात्रों को अपने राजनैतिक जीवन के भी संस्मरण सुनायें।

श्री नाईक ने छात्र दल को तीन पुस्तकें 'उत्तर प्रदेश के पक्षी', 'राजभवन-उत्तर प्रदेश के पक्षी' तथा 'लोकसभा में राम नाईक' उपहार स्वरूप भेंट की।